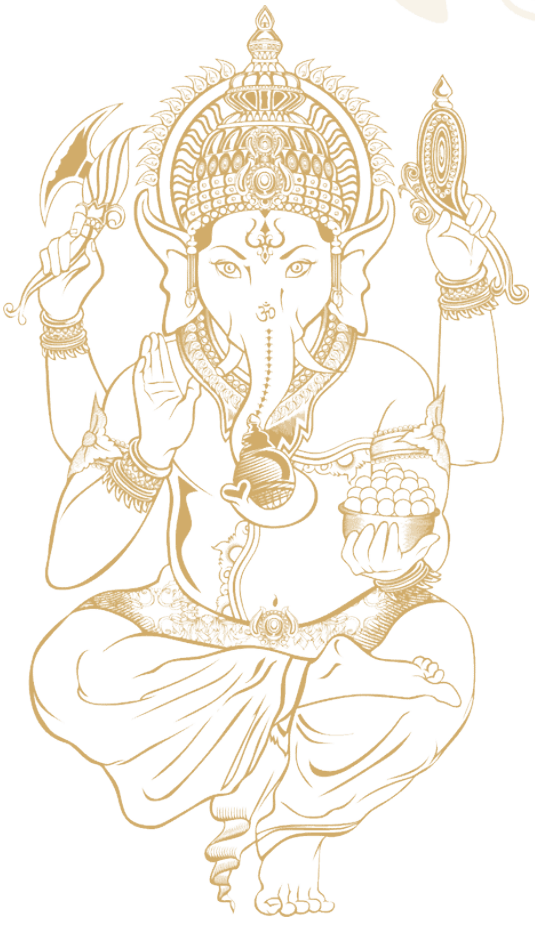

Vishal Damin

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120971301

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120971301 Date: 18/01/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
02/05/1999	जन्म तिथि	25/12/1996
रविवार	दिन	बुधवार
घंटे 06:00:00	जन्म समय	08:00:00 घंटे
घटी 01:04:47	जन्म समय(घटी)	03:20:49 घटी
India	देश	India
Durg	स्थान	Durg
21:12:00 उत्तर	अक्षांश	21:12:00 उत्तर
81:20:00 पूर्व	रेखांश	81:20:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:04:40	स्थानिक संस्कार	-00:04:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:34:05	सूर्योदय	06:39:40
18:29:43	सूर्यास्त	17:30:09
23:50:39	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:55

मेष	लग्न	धनु
मंगल	लग्न लग्नाधिपति	गुरु
वृश्चिक	राशि	मिथुन
मंगल	राशि-स्वामी	बुध
विशाखा	नक्षत्र	आर्द्रा
गुरु	नक्षत्र स्वामी	राहु
4	चरण	2
वरियान	योग	ब्रह्म
तैतिल	करण	बालव
तो-तोरल	जन्म नामाक्षर	घ-घटी
वृष	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर
विप्र	वर्ण	शूद्र
कीटक	वश्य	मानव
व्याघ्र	योनि	श्वान
राक्षस	गण	मनुष्य
अन्त्य	नाड़ी	आद्य
सर्प	वर्ग	मार्जार

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
गुरु 0वर्ष 9मा 28दि		23:47:18	मेष	लग्न	धनु	28:17:16	राहु 10वर्ष 1मा 7दि	
बुध		17:20:18	मेष	सूर्य	धनु	09:45:58	शनि	
28/02/2019		02:38:34	वृश्चि	चंद्र	मिथु	12:30:59	01/02/2023	
28/02/2036		07:32:21	तुला व	मंगल	कन्या	02:58:51	01/02/2042	
बुध	27/07/2021	24:42:35	मीन	बुध व	धनु	25:15:22	शनि	04/02/2026
केतु	24/07/2022	24:34:16	मीन	गुरु	धनु	29:46:21	बुध	14/10/2028
शुक्र	24/05/2025	28:39:23	वृष	शुक्र	वृश्चि	16:00:39	केतु	23/11/2029
सूर्य	30/03/2026	13:29:29	मेष	शनि	मीन	07:12:52	शुक्र	22/01/2033
चन्द्र	30/08/2027	24:15:22	कर्क व	राहु व	कन्या	09:32:04	सूर्य	04/01/2034
मंगल	26/08/2028	24:15:22	मक व	केतु व	मीन	09:32:04	चन्द्र	06/08/2035
राहु	15/03/2031	22:47:08	मक	हर्ष	मक	09:04:51	मंगल	13/09/2036
गुरु	20/06/2033	10:31:03	मक	नेप	मक	02:45:50	राहु	21/07/2039
शनि	28/02/2036	16:02:01	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	10:19:56	गुरु	01/02/2042

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:50:39 चित्रपक्षीय अयनांश 23:48:55

लग्न-चलित

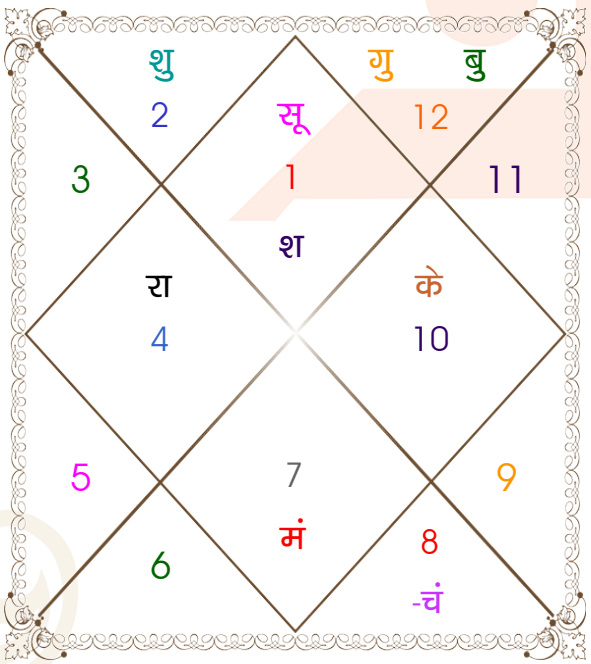

लग्न-चलित

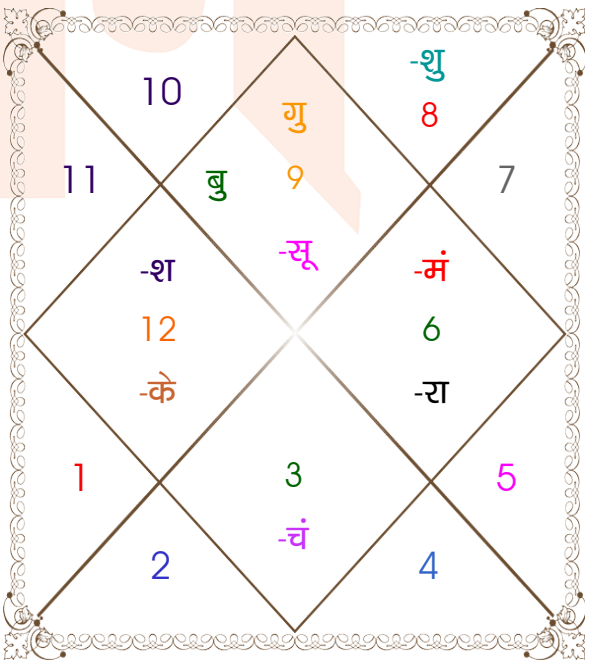

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	श्वान	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	मिथुन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	14.50		

कुल : **14.5 / 36**

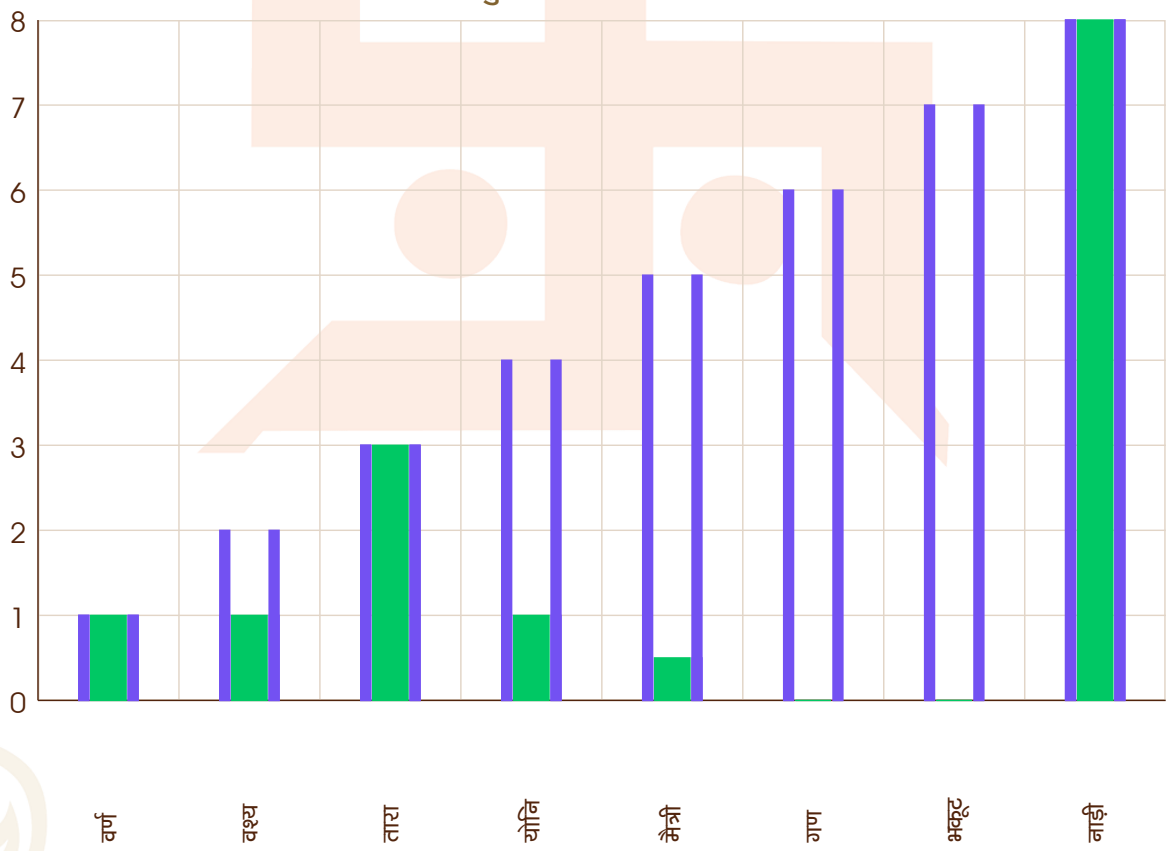

अष्टकूट मिलान

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Vishal का वर्ग सर्प है तथा Damin का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Vishal और Damin का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Vishal मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

Damin मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

Vishal तथा Damin में मंगलीक मिलान ठीक नही है।

निष्कर्ष

मंगलीक एवं अष्टकूट गुण न मिलने के कारण दोनों का मिलान बिल्कुल ठीक नहीं हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Vishal का वर्ण ब्राह्मण तथा Damin का वर्ण शूद्र है। अतः यह मिलान अति उत्तम है। Damin सभी को मान एवं प्रतिष्ठा देती है तथा सेवा करती रहेंगी। साथ ही वह सबकी अपेक्षाओं को पूरा करती रहेंगी तथा किसी के भी साथ तर्क-वितर्क नहीं करेंगी। Damin एक नर्स की भाँति अपने पति एवं बच्चों की सेवा एवं तिमारदारी करती रहेंगी।

वश्य

Vishal का वश्य कीट है एवं Damin का वश्य द्विपद है। जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। कीट Vishal एवं मनुष्य Damin के विवाह को स्वीकार्यहै किंतु दोनों के बीच हितों का संघर्ष होता रहेगा एवं सहयोग एवं आपसी समझ की कमी बनी रहेगी। कभी कभी परस्पर शत्रुता की भावना भी विकसित हो सकती है। जो इनके दांपत्य जीवन को बाधित कर सकता है तथा विकास एवं समृद्धि को प्रभावित कर सकता है। Vishal एवं Damin बीच अक्सर लड़ाई-झगड़े होते रहेंगे तथा कटुता, संदेह एवं तनाव का माहौल बना रह सकता है।

तारा

Vishal की तारा सम्पत तथा Damin की तारा अतिमित्र है। अतः तारा मिलान अनुकूल होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इस मिलान के कारण उत्तम स्वास्थ्य, धन एवं समृद्धि का बनी रहेगी। इस विवाह से Vishal एवं Damin दोनों के सौभाग्य के द्वार खुल जायेंगे। Damin एक अच्छे साथी की भूमिका अदा करने वाली होगी तथा अपने पति की हर प्रकार से समय समय पर मदद करती रहेगी। घर में प्रेम, शांति एवं सौहार्द का माहौल बना रहेगा। इनकी संतान भी काफी अच्छी होंगी तथा जीवन में सफलता प्राप्त करती रहेंगी।

योनि

Vishal की योनि व्याघ्र है तथा Damin की योनि श्वान है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच सामान्य वैर है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान न होकर बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों की रुचि एवं पसंद नापसंद अलग- अलग ही होंगी। इनके वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में अक्सर लड़ाई झगड़े हो सकते हैं। कभी- कभी लड़ाई झगड़ा घरेलू हिंसा का रूप भी ले सकता है। लड़ाई झगड़े के कारण पारिवारिक माहौल तनावपूर्ण एवं कलेशपूर्वक ही रहेगा। दोनों कभी कभी एक दूसरे पर हिंसक आक्रमण भी कर सकते हैं। दोनों के बीच झगड़े का कारण बुद्धिमत्ता एवं परस्पर समझदारी की कमी ही हो सकती है। यदि समझदारी और समझबूझ से काम न लिया गया तो कुछ समय अंतराल पर यह स्थिति मुकदमेबाजी तक भी पहुंच सकती है। इस प्रकार परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना का अभाव ही रहेगा। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी रह सकती है। कभी-कभी धनहानि होने की भी संभावना होगी। अतः यदि दोनों परस्पर समझदारी एवं बुद्धि से काम लें तो स्थिति को सुधारा भी जा सकता है। परस्पर लड़ाई झगड़े और वैचारिक मतभेद रहने के कारण परिवार

में सुख समृद्धि का अभाव ही देखने को मिलेगा। इस प्रकार वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है अतः सतर्कता बरतें।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Vishal का राशि स्वामी Damin के राशि स्वामी से शत्रु का संबंध रखता है। जबकि Damin का राशि स्वामी Vishal के राशि स्वामी के साथ सम रहता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए शत्रु किंतु दूसरा उसे सम मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

Vishal का गण राक्षस है तथा Damin का गण मनुष्य है। अर्थात Damin का गण Vishal के गण से श्रेष्ठ है। अतः यह मिलान बहुत बुरा मिलान रहेगा। ज्योतिषीय दृष्टि से यह संबंध अधिक दिनों तक नहीं रहने वाला होगा। दोनों के वैचारिक मतभेद परिवार के सदस्यों के जीवन को अशांत बना सकते हैं। ऐसा विवाह त्याज्य है।

भकूट

Vishal से Damin की राशि अष्टम भाव में स्थित है तथा Damin से Vishal की राशि षष्ठम भाव में स्थित है। जिसके कारण यह मिलान बिल्कुल अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें षडाष्टक दोष लग रहा है। इस मिलान को भकूट मिलान में स्वीकृति नहीं प्रदान की जाती है तथा 0 अंक/गुण प्रदान किए जाते हैं। Vishal एवं Damin दोनों आक्रामक, गुस्सैल एवं झगड़ालू स्वभव के होंगे। Vishal शारीरिक रूप से कमजोर हो सकते हैं, उनके अनेक शत्रु हो सकते हैं तथा अपने व्यवसाय में भी उन्हें जूझना पड़ सकता है। दूसरी ओर Damin बिल्कुल लापरवाह, कोई भी कर्त्तव्य एवं जिम्मेदारी नहीं निभाने वाली, हरदम स्वयं के स्वार्थपूर्ति में ही खोई रहने वाली होंगी। उन्हें किसी भी प्रकार का वैवाहिक सुख प्राप्त नहीं हो पायेगा तथा उनके पति की मृत्यु की भी संभावना बनी रहेगी।

नाड़ी

Vishal की नाड़ी अन्त्य है तथा Damin की नाड़ी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह समन्वय शरीर के दो महत्वपूर्ण अवयवों वात एवं कफ को संतुलित करता है। Vishal की अन्त्य नाड़ी तथा Damin की आद्य नाड़ी होने के कारण उत्तम स्वास्थ्य, सम्पत्ति, सत्ता, शक्ति एवं दम्पत्ति के पारस्परिक प्रेम एवं सहयोग समय-समय पर मिलता रहेगा। आपकी संतान अति भाग्यशाली, आज्ञाकारी एवं शक्ति संपन्न होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

Vishal की जन्म राशि जलतत्व युक्त वृश्चिक तथा Damin की राशि वायुतत्व युक्त मिथुन है। जल एवं वायु में नैसर्गिक भिन्नता होने के कारण Vishal और Damin में स्वभावगत असमानताएं होंगी जिससे दाम्पत्य संबधों में मधुरता नहीं होगी जिससे वैवाहिक जीवन सामान्य रहेगा। अतः यह मिलान अच्छा नहीं रहेगा।

Vishal की राशि का स्वामी मंगल तथा Damin की राशि का स्वामी बुध परस्पर सम तथा शत्रु हैं। सुखी दाम्पत्य जीवन के लिए यह ग्रह स्थिति अच्छी नहीं उत्पन्न होंगे। इसके प्रभाव से Vishal और Damin के मध्य अनावश्यक विवाद तथा मतभेद रहेंगे। साथ ही एक दूसरे के प्रति सदभावना के स्थान पर आलोचना तथा उपेक्षा का भाव रहेगा। ये दोनों एक दूसरे के गुणों की उपेक्षा कमियों पर विशेष ध्यान देंगे फलतः वैवाहिक जीवन में प्रेम का कम और विरोध का भाव अधिक रहेगा।

Vishal और Damin की राशियां परस्पर अष्टम एवं षष्ठ भाव में पड़ती है। शास्त्रानुसार यह प्रबल भकूट दोष माना गया है। इसके प्रभाव से Vishal और Damin में अनावश्यक वैमनस्य का भाव उत्पन्न होगा तथा सुख दुख में एक दूसरे के प्रति कोई सहानुभूति नहीं होगी। साथ ही समय समय पर अनावश्यक विवाद होते रहेंगे। वैवाहिक जीवन के सुख की दृष्टि से यह स्थिति अच्छी नहीं होगी। अतः बुद्धिमता एवं संयम से ही शुभ फलों की प्राप्ति हो सकती है ।

Vishal का वश्य कीट तथा Damin का वश्य मानव है। कीट एवं मानव की परस्पर विषमता तथा शत्रुता का भाव होने के कारण Vishal एवं Damin की शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर असमानता रहेगी तथा दाम्पत्य संबंधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में असमर्थ रहेंगे।

Vishal का वर्ण ब्राह्मण तथा Damin का वर्ण शूद्र है। अतः Vishal शैक्षणिक शास्त्रीय तथा धार्मिक कार्य कलापों में रूचि रखेंगे जबकि Damin की प्रवृति धनार्जन के प्रति अधिक रहेगी तथा व्यापारिक बुद्धि से अपने कार्यो को सम्पन्न करेंगी।

धन

Vishal की तारा सम्पत तथा Damin की तारा अतिमित्र है इसके शुभ प्रभाव से Vishal सौभाग्यशाली तथा धनवान व्यक्ति होंगे तथा Damin के भाग्य से उनकी धन सम्पति में नित्य वृद्धि होती रहेगी। भकूट का उनकी आर्थिक स्थिति पर सामान्य प्रभाव रहेगा तथा उससे आर्थिक स्थिति सामान्य ही रहेगी। साथ ही मंगल का भी आर्थिक क्षेत्र पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार वे ऐश्वर्य एवं समृद्धि से युक्त होंगे तथा प्रचुर मात्रा में धनार्जन करके अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

Vishal और Damin को अनायास धन प्राप्ति की पूर्ण संभावना रहेगी तथा जीवन में वे समस्त भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करने में समर्थ रहेंगे। विशेष रूप से Damin का शुभ प्रभाव इनकी आर्थिक स्थिति पर रहेगा तथा सामाजिक स्तर पर भी उनका पूर्ण सम्मान रहेगा।

स्वास्थ्य

Vishal का अन्त्य तथा Damin का आद्य नाड़ी में जन्म हुआ है अतः दोनों की नाड़ियां भिन्न होने के कारण नाड़ी दोष के प्रभाव से ये मुक्त रहेंगे जिससे इनका शारीरिक स्वास्थ्य सामान्यतया अच्छा ही रहेगा। लेकिन मंगल का Damin के स्वास्थ्य पर अशुभ प्रभाव रहेगा। इसके प्रभाव से वह रक्त या पित विकार से परेशान होंगी तथा यदा कदा हृदय संबंधी कष्ट की भी संभावना रहेगी। साथ ही गुप्त रोग एवं काम क्रिया में उदासनीनता का भाव भी विद्यमान रहेगा। इससे पति पत्नी के आपसी संबंधों में तनाव उत्पन्न होगा जिससे दाम्पत्य जीवन की मधुरता में अल्पता आएगी। अतः मंगल के प्रभाव को कम करने के लिए Damin को चाहिए कि वह नियमित रूप से हनुमानजी की पूजा करें तथा मंगलवार के उपवास भी रखें।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Vishal और Damin का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Vishal और Damin के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Damin के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Damin को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Damin को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Vishal और Damin सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Vishal और Damin का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Damin के अपनी ससुराल के लोगों से संबधों में वांछित मधुरता रहेगी परन्तु यदा कदा सास से कुछ मतभेद रहेगा जिससे उनके साथ सामंजस्य स्थापित करने में कठिनाई का सामना करना पड़ेगा तथापि यदि Damin धैर्य एवं बुद्धिमता से कार्य लें तो सास की सहानुभूति प्राप्त हो सकती है।

ससुर देवर एवं ननदों से Damin के संबध मधुर रहेंगे तथा उनसे वांछित स्नेह एवं सहयोग की प्राप्ति होती रहेगी। ससुर की सुख सविधा एवं आराम का वह पूर्ण ध्यान रखेंगी तथा वे भी उसकी सेवा भावना से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। देवर एवं ननद से भी Damin का व्यवहार मित्रता पूर्ण रहेगा तथा वे भी Damin से प्रसन्न रहेंगे। इस प्रकार वह ससुराल के लोगों से सामंजस्य स्थापित करके आनंदानुभूति प्राप्त करेंगी।

ससुराल-श्री

Vishal के अपनी सास से मधुर संबंध रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य से इसमें निरन्तर वृद्धि होती रहेगी। सास को Vishal अपनी माता के समान आदर प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का भी ध्यान रखेंगे। साथ ही समय समय पर सपत्नीक उनके यहां मिलने जाया करेंगे जिससे संबंधों की प्रगाढ़ता में वृद्धि होगी।

ससुर के साथ भी Vishal के संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उन का भी इनके प्रति विशेष वात्सल्य रहेगा। व्यक्तिगत मामलों तथा आपसी संबंधों में मित्रता का भाव भी दृष्टिगोचर होगा जिससे एक दूसरे की बातों का आदान प्रदान होता रहेगा। साथ ही साली एवं सालों से भी संबंधों में मित्रता सहानुभूति तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा एक दूसरे से औपचारिक संबंध रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण Vishal के प्रति सम्मानीय रहेगा तथा वे उनके व्यवहार से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।